गोपाल राजू की चर्चित पुस्तक,
'स्वयं चुनिए अपना भाग्यशाली रत्न'
का सार-संक्षेप

रत्नों के विकल्प विभिन्न फूल

Gopal Raju

भाग्यशाली रत्न की तरह व्यक्ति का कोई न कोई भाग्यशाली फूल भी अवश्य होता है। इस फूल का चुनाव कर लिया जाए तो रत्न धारण करने की तरह एक सम्भावना प्रबल हो जाती है कि पता नहीं कब भाग्य आपका द्वार खटखटा दे। फूल और उसके प्रभाव को लेकर विश्व भर में मान्यता है कि यह मन को प्रसन्नता से तो भरते ही हैं, शुभता के प्रतीक भी हैं। जहाँ व्यक्ति रत्नादि का किन्हीं कारणों से उपयोग नहीं कर पाते, फूलों से भी वह भाग्य पा सकते हैं।

बचपन की बहुत सारी पुरानी बातें याद आ रही हैं। मैं एक किन्नर गार्डेन में पढ़ता था। हमारी टीचर एक अंग्रेज मैम थीं। परियों की कहानियों में वह इस तरह की अनेकों बातें हमें बताया करती थीं। जो कुछ भी उस अल्पायु बुद्धि में याद रहा, लिख रहा हूँ। काश उनकी बतायी सब बातें कहीं मिल जातीं तो इस मेरी पुस्तक, 'स्वयं चुनिए अपना भागयशाली रत्न' का कलेवर और भी सुन्दर बन जाता।

ऐश्वर्यमय जीवन जीने के लिए चार पंखुड़ी वाले लाल रंग के पुष्प को लेकर एक किंवदन्ती है। तीन बहनें सात समुंदर पार से आयीं। उनके नाम थे - भाग्य, आशा और दया। जहाँ-जहाँ उपवन में उनके पैर पड़ते, सफेद तथा पील सुन्दर से फूल खिल उठते। अकस्मात् उन बहनों के पैरों के स्थान पर एक चौथी सुन्दर सी लड़की के पैर भी जुड़ गए। उस लड़की का नाम था प्रेम।

उस चौथी लड़की के आगमन के स्वागत में फूलों में एक अन्य चौथी पंखुड़ी भी खिल गयी।

कालान्तर में यह पुष्प एक तिलिस्म बन गया। विश्वभर के युवा प्रेमी इन पुष्पों में अपना प्यार तथा प्यार से उपजा भाग्य तलाशते हैं। मान्यता है कि चार पत्ती वाले लाल फूल को जो कोई प्रेमी अपने जूतों में रखेगा उसका साथी उससे जल्दी-जल्दी मिलेगा। जो कोई प्रेमी अपने सीने पर लटकाकर रखेगा वह अपने साथी प्रेमी के दिल में स्थाई स्थान बनाएगा। ऐसे प्रेमियों से शैतान सर्वथा दूर रहेगा। बालों में फूल लगाने वाली लड़की सदैव अपने प्रेमी के दिल में बसी रहेगी।

फूल के भावात्मक तिलिस्म के पीछे यह मान्यता भी चली आ रही है कि चार पंखुड़ी वाला लाल फूल भाग्यवान बनाता है। फूलों को लेकर ऐसी ही अनेक मान्यताएँ प्रचलित हैं। बसंत ऋतु में खिलने वाले प्रथम पुष्प के दर्शन आप जिस दिन के किसी प्रातःकाल में करते हैं तो उसका एक अर्थ है जिसका अर्थ समझकर भी उससे लाभ उठाया जा सकता है।

प्रथम फूल दर्शन दिन	फल
सोमवार	भाग्य
मंगलवार	सफलता
बुधवार	प्रेमी मिलन
गुरुवार	लाभ
शुक्रवार	अकस्मात् धन लाभ
शनिवार	दुर्भाग्य से बचाव
रविवार	भाग्य

Gopal Raju

भाग्यशाली रत्न की तरह वर्ष के प्रत्येक माह में जन्में व्यक्ति के लिए कुछ फूल विशेष भी हैं जो कि उनके लिए शुभत्व के प्रतीक सिद्ध होते हैं। यदि आपको अपने जन्म का महीना पता है जो आप अपना भाग्यशाली फूल चुनकर भाग्य को निमंत्रण दे सकते हैं।

माह	फूल तथा गुण
जनवरी	आरम्भिक वसंत का सफेद फूल **(Hydrocele)** जो आशा, सात्विकता तथा भद्रता का प्रतीक है।
फरवरी	बैंगनी पुष्प जो दया, विश्वास तथा लज्जा-संकोच का प्रतीक है।
मार्च	हल्का पीला नर्गिस जो सुन्दरता, नियमितता तथा लावण्य अथवा मोहकता का प्रतीक है।
अप्रैल	बसंती गुलाब **(Primrose)** जो प्रेम तथा प्रेमियों का प्रतीक है

मई	सफेद लिली **(White Lily)** जो मधुरता तथा पवित्रता का प्रतीक है।
जून	जंगली गुलाब **(Wild Rose)** जो पवित्रता तथा दायित्व का प्रतीक है।
जुलाई	गुलाबी, कागजी रंग का एक फूल **(Carnstion)** जो शुद्ध तथा दयामयी विचारों का प्रतीक है।
अगस्त	एरिया नाम की झाड़ी का सफेद पुष्प **(White Heather)** जो कि शुभता तथा शुभ समय का प्रतीक है।
सितम्बर	सितम्बर माह में खिलने वाला गुलबहार **(Michaelmas Daisy)** जो सुख एवं समृद्धि का प्रतीक है।
अक्टूबर	एक प्रकार की झाड़ी के पुष्प **(Rose Marry)** तथा पत्ते जिनसे खुशबू बनाते हैं तथा उपहार में देते हैं जो यादगार तथा शुभ विचारों का प्रतीक है।
नवम्बर	गुलदावदी **(Chrysanthemum)** जो भाग्य तथा सच्चाई का प्रतीक है।
दिसम्बर	सिरपेंच की लता **(Ivy)** जो सदा हरी-भरी रहती है जो विश्वसनीयता तथा सच्चाई की प्रतीक है।

फूलों की अपनी एक भाषा है। इसको जिसने समझ लिया, समझिए कि सौभाग्य की वह कुंजी पा गया। वनस्पति हमसे अपने स्नेह बॉटना चाहती है। कभी उससे हाथ मिला कर तो देखिए, आप भी प्रकृति के रंग-बिरंगे सौन्दर्य की तरह खिलने लगेंगे। जिन्हें अपनी जन्म तिथि ज्ञात नहीं है वह फूलों की भाषा समझकर रत्न-उपरत्न के स्थान पर उनका प्रयोग कर सकते हैं। प्रयोग करने के भी अनेकों प्रकार हैं। घर का अपने अनुरुप रंग के फूल से अलंकरण करना, अपने भाग्यशाली फूलों का गुलदस्ता सजाकर, शरीर में धारण करके, बालों में सजाकर, आभूषण के स्थान पर भाग्यशाली फूलों को अपनाकर आदि। फूल क्या कहते हैं? यहॉ कुछेक फूलों से स्पष्ट कर रहा हूँ। सम्भव है आपके क्षेत्र में यह फूल न हों अथवा इनके नाम परिवर्तित हो इसलिए साथ में उनके अंग्रेजी नाम भी लिख रहा हूँ।

	फूल	भाषा
1.	कैमेलिया **Camellia** चीन और जापान की एक सदाबहार झाड़ी	सौन्दर्य, प्रेम
2.	कैन्डीटफ़्ट **Candytuft** सपाट और चिपटे गुच्छों में खिलने वाला सफेद, गुलाबी और बैंगनी रंग के फूलों वाला एक पौधा	स्नेहरहित, मताभेद
3.	कार्नेशन लाल **Carnation**	दिल से जुड़ना

4.	कार्नेशन सफेद Carnation	अनादर, घृणा
5.	क्लोवर त्रिपत्र Clover	अपनत्व
6.	कोलम्बाइन Columbine	मूर्खता
7.	गुलबहार Daisy	पवित्रता, भोलापन
8.	फर्न Deadly Night	झूठ, धोखा
9.	फर्न बहुपत्रक Fern	मोहक
10.	Forget me not	लज्जा
11.	फौक्स ग्लोव Fox Glove बैंगनी-श्वेत पुष्प का लंबा पौधा	समर्पण
12.	जिरेनियम Geranium	सांत्वना
13.	Golden Rod	सुरक्षा
14.	हीलियोट्राप Heliotrope	कर्मठ
15.	हाईसिंथ Hyacinth बैंगनी रंग के फूलों का पौधा	सौन्दर्य
16.	सिरपेंचकी Ivy लता जो सदैव हरी-भरी रहती है	विश्वसनीयता
17.	लिली सफेद White Lilly	मधुरता
18.	लिली पीली Yellow Lilly	हर्ष, उल्लास, सुख
19.	लिली Lilly of the valley	सुख का आगमन
20.	मिनॉनेट Mignonetle	गुण, चरित्र
21.	सफेद फूल वाली मेंहदी Myrtle	प्रेम
22.	नारंगी मंजरी Orange Blossom	पवित्रता
23.	रंग-बिरंगे फूलों का पौधा Pansy	विचार
24.	पैशन फ्लावर Passion Flower	कष्ट झेलने का संयम
25.	बैंगनी मंजरी Peach Blossom	सम्मोहन
26.	प्रिम रोज Primrose	प्रेम का प्रतीक
27.	गुलाब Rose	प्रेम का प्रतीक
28.	लाल गुलाब Red Rose	शर्मीलापन
29.	सफेद गुलाब White Rose	समृद्धि
30.	पीला गुलाब Yellow Rose	ईर्ष्या
31.	गुलाब की कली Rose Buds	अपरिपक्व एवं भ्रामक प्रेम
32.	स्वीट पी Sweet Pea	विछोह भाव

Gopal Raju

33.	वरबीना **Verbena** वरबेन जाति का पौधा	किसी के निमित्त प्रार्थना भाव

Gopal Raju